

### संपादकीय पानी का तांडव

बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बाढ़ की हालत बेहद गंभीर हो गई है। बिहार में अभी तक 23 ज़िले उत्तर प्रदेश में 107 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। पटना सहित कई शहरों में सड़कों पर नाव चल रही है। जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बीते सितंबर में हुई असाथारण बारिश ने हालत बिंगाड़ दिये हैं। बरसात इस महीने देश भर में हुई है लेकिन बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसके भयंकर रूप ले लिया। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार सितंबर में पूरे भारत में औसतन 247.1 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 48 प्रतिशत ज्यादा है। सितंबर में बारिश ने 102 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

मौसम विभाग के मुताबिक 1901 के बाद से सितंबर महीने में इतनी बारिश का यह तीसरा ही मामला है। जून से सितंबर तक औसत से 9 फीट सदी ज्यादा बारिश हुई है। इसकी वजहों को लेकर मौसम विभाग का कहना है कि प्रशांत महासागर में देखे गए अलीनों इफेक्ट ने शुरू में मॉनसून को बढ़ाया और जुलाई में कम बारिश हुई। ठीक उसी वक्त हिंद महासागर में मॉनसून के अनुकूल वातावरण तैयार हुआ। फिर बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना जिसके लगातार बनने की वजह से लंबे वक्त तक आरी बारिश होती है। अभी कुछ ही दिनों पहले महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश बाढ़ में झब्बे हुए थे जिस कारण देश भर में प्याज की नई खेप नहीं आ पाई। इसके चलते प्याज के भाव आसमान छूले लगे हैं।

बारिश के असंतुलन का नीतीजा यह है कि कई राज्य जहाँ बाढ़ में झब्बे हैं, वहाँ कुछ हिस्सों में सूखा भी पड़ा हुआ है। बहराहाल, बिहार में एकड़ीआरएफ की टीम राहत अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कहना है कि यह प्राकृतिक आपदा है, जिस पर किसी का नियंत्रण नहीं है। लेकिन सराई यही है कि इस प्राकृतिक आपदा के लिए कुछ हड़तक मनुष्य भी जिम्मेदार है। पिछले कुछ कर्वों में जिस तरह से सूखे की खबरों के बीच अचानक बाढ़ आ जाती है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि जल प्रबंधन में हमसे लगातार चूक हो रही है।

विशेषज्ञ पिछले कई कर्वों से लगातार घेतावनी दे रहे हैं कि ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से वर्षा का चक्र प्रभावित हो रहा है, इसलिए बाढ़ का खतरा पहले से कहाँ ज्यादा भयावह रूप ले सकता है। इन घेतावनियों को हम किसी तैयारी का सबब नहीं बनाते। उन्हें एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल देते हैं। नदियाँ ही नहीं, तालाब, झील, कुप, नाले आदि भी या तो खुद पट गए हैं, या पाट दिए गए हैं। ऐसे में बारिश का पानी हर चीज़ डुबोने के ही काम आ रहा है। अकेला रास्ता पारंपरिक जलस्रोतों को दम देने का ही है। शहर इस तरह बनें कि पानी आसानी से निकल जाए। बांध से नदी में गांद भरने की बात नीतीश कुमार कह चुके हैं। इसका इलाज भी उन्हें ही खोजना है।

### अब कॉल आने पर नहीं बजेगी 45 सेकेंड फोन की धंती

नईदिली (आरएनएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने इंग्लैंड दौरे का अपना तीसरा मैच मंगलवार को यहाँ गोलरहित ड्रॉ खेला। दोनों टीमों ने सरकं शुरुआत की। भारतीय टीम ने पहले चॉटर के आखिर में आक्रामक रूपया अपनाया और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाई। भारतीय टीम ने दूसरे चॉटर में भी

किसी एक नेटवर्क को दूसरे नेटवर्क के द्वी जाने वाली सेवाओं पर दिया जाता है। इसमें जिस नेटवर्क से कॉल की जाती है वह कॉल पहुंचने वाले नेटवर्क को यह शुरूक अदा करता है। अभी इसकी दर छह पैसा प्रति मिनट है। एयरटेल ने इस निर्णय की जानकारी देने के एए ट्राई को 28 सितंबर को एक प्रथा भेजा है। वहीं सूत्रों ने जानकारी दी कि वोडाफोन आइडिया ने भी चुनिदा परिस्क्रिप्टों में फोन की धंती बजने

की अवधि घटाने का निर्णय किया है। एयरटेल ने कहा कि उसने फोन की धंती बजने की अवधि को 25 सेकेंड तक सीमित करने का निर्णय किया है। नियामक की ओर से इस संबंध में कोई स्पष्ट निर्देश ना होने के चलते कंपनी के पास कोई और विकल्प नहीं बचा है।

विशाखापत्तनम। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच विशाखापत्तनम में खेले जा पहले टेस्ट में पहले बैटिंग करने उत्तरी टीम इंडिया ने सधी हुई शुरुआत की है। नजरें टेस्ट में पहली बार ओपनिंग करने उत्तरे रोहित शर्मा पर टिकी हैं। मयंक के साथ ऋजि पर उत्तरे रोहित लय में नजर आ रहे हैं।

भारत : विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, हुमा विकारी, रविंचंद्र अश्विन, रवींद्र जडेजा, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी।

दूसरी टीम : भारत : विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, हुमा विकारी, रविंचंद्र अश्विन, रवींद्र जडेजा, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी।

दूसरी टीम : भारत : विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, हुमा विकारी, रविंचंद्र अश्विन, रवींद्र जडेजा, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी।

दूसरी टीम : भारत : विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, हुमा विकारी, रविंचंद्र अश्विन, रवींद्र जडेजा, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी।

दूसरी टीम : भारत : विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, हुमा विकारी, रविंचंद्र अश्विन, रवींद्र जडेजा, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी।

दूसरी टीम : भारत : विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, हुमा विकारी, रविंचंद्र अश्विन, रवींद्र जडेजा, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी।

दूसरी टीम : भारत : विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, हुमा विकारी, रविंचंद्र अश्विन, रवींद्र जडेजा, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी।

दूसरी टीम : भारत : विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्य रहाणे (उप-कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, चेतेश्वर पुजारा, हुमा विकारी, रविंचंद्र अश्विन, रवींद्र जडेजा, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी।

### समान के चावल के साथ बनाएं गरमा-गरम 'आलू की कढ़ी'

सामग्री : आलू - उबले और मैस किए हुए, सिंधाड़े का आटा-1/2 कप, सेंधां नमक-स्वादानुसार, मिर्च पाउडर-1/4 चम्पच, तेल- फाई के लिए, दही- 1 कप, जीरा-1/2 टीस्पून, अदरक- टुकड़े में कटा हुआ, धनिया पाउडर- 1/2 टीस्पून, पानी- आवश्यकतानुसार, करी पत्ता- 6-7, धनिया पत्ती-गर्मीशंग के लिए।

विधि : इसके बाद इसमें बैटर, नमक और धनिया पाउडर मिलाये। एक उबल आने पर आंच धीमी कर दें और बैटर गाढ़ा होने पर पकड़ी जाले। कढ़ी पूरी तरह पक जाने पर इसे हरे धनिया से गर्मीशंग के साथ परोसे।

बच्चे हुए बैटर में दही और पानी मिलाकर और स्मूद बैटर बना लें। गरमा गरम आलू की कढ़ी।

### महिला हॉकी: भारत-ब्रिटेन मैच गोलरहित ड्रॉ पर छूटा

महिला हॉकी टीम ने इंग्लैंड दौरे का अपना तीसरा मैच मंगलवार को यहाँ गोलरहित ड्रॉ खेला।

महिला हॉकी की 150वीं जयंती मना हो रहा है। महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना हो रहा है। बाढ़ का खतरा पहले से कहाँ ज्यादा भयावह रूप ले सकता है। इन घेतावनियों को हम किसी तैयारी का सबब नहीं बनाते। उन्हें एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल देते हैं। नदियाँ ही नहीं, तालाब, झील, कुप, नाले आदि भी या तो खुद पट गए हैं, या पाट दिए गए हैं। ऐसे में बारिश का पानी हर चीज़ डुबोने के ही काम आ रहा है। अकेला रास्ता पारंपरिक जलस्रोतों को दम देने का ही है। शहर इस तरह बनें कि पानी आसानी से निकल जाए। बांध से नदी में गांद भरने की बात नीतीश कुमार कह चुके हैं। इसका इलाज भी उन्हें ही खोजना है।

विशेषज्ञ पिछले कई कर्वों से लगातार घेतावनी दे रहे हैं कि ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से वर्षा का चक्र प्रभावित हो रहा है, इसलिए बाढ़ का खतरा पहले से कहाँ ज्यादा भयावह रूप ले सकता है। इन घेतावनियों को हम किसी तैयारी का सबब नहीं बनाते। उन्हें एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल देते हैं। नदियाँ ही नहीं, तालाब, झील, कुप, नाले आदि भी या तो खुद पट गए हैं, या पाट दिए गए हैं। ऐसे में बारिश का पानी हर चीज़ डुबोने के ही काम आ रहा है। अकेला रास्ता पारंपरिक जलस्रोतों को दम देने का ही है। शहर इस तरह बनें कि पानी आसानी से निकल जाए। बांध से नदी में गांद भरने की बात नीतीश कुमार कह चुके हैं। इसका इलाज भी उन्हें ही खोजना है।

विशेषज्ञ पिछले कई कर्वों से लगातार घेताव